कड़कनाथ पालन हेतु शेड का निर्माण

चूजों की देखभाल एवं टीकाकरण

चूजों का दानापानी

व्यस्क कड़कनाथ

सूर्य की रोशनी हवा एवं बरसात के पानी को मुर्गीयों के आवास में नियंत्रित करने के लिए मुर्गी आवास को खिड़कीयों में परदे लगाए जाते है।

1. पर्दों को हमेशा उपर से 1 फीट जगह छोड़ कर लगना चाहिए।
2. गर्मी के दिनों में टाट या सूत के बोरे के पर्दों का उपयोग करना चाहिए।
3. बरसात एवं ठण्ड के मौसम में प्लास्टिक के पर्दों का उपयोग करना चाहिए।
4. कड़कनाथ पालक ठण्ड के मौसम में मुर्गी आवास की खिड़कीयों को पर्दे से पुरी तरह ढक देता है जिससे अन्दर दुषित वायु बनती है, बुरादा गीला होने लगता है और मुर्गीयों को साँस सबंधी बीमारियाँ पैदा होने लगती है मुर्गीयों के पेट में पानी भरने लगता है और मुर्गीयों का मरना चालू हो जाता है इसलिए किसान को ठण्ड के दिनों में यह ध्यान रखना चाहिए कि मुर्गी आवास में शुद्ध हवा का आगमन हो एवं दुषित वायु बाहर निकलती रहे।

बीमारी के आगमन की रोकथाम/बचाव

बायोसिक्यूरिटी ऐसे उपाय है जिसके माध्यम से पक्षीयों में आने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है अतः बाहरी पशु, पक्षी या इंसान जो अपने साथ बीमारी के कारक लाते है इनका मुर्गी आवास में प्रवेश रोकना चाहिए क्योंकि सही टीकाकरण, सही सफाई एवं बाहरी जीवित प्राणियों का उचित ध्यान रखना ही आने वाली बीमारियों को रोकने का प्रमुख कारक है।

1. बाहरी पशु, पक्षी आदि का कुक्कुट आवास में प्रवेश नही होने देना चाहिए।
2. मोटर, गाडी आदि बाहरी वाहनों का प्रवेश वर्जित होना चाहिए।
3. बाहरी वाहन या ऐसा वाहन जो व्यवसाय से सम्बंध रखता हो ऐसे वाहनों को बिना डिस्इफेक्टेंट का छिड़काव किये कुक्कुट आवास में प्रवेश नहीं करना चाहिए।
4. बाहरी लोगों के कपड़े, जूते, मोजे आदि अलग रखकर उन्हें कुक्कुट आवास की पोशाक पहनाकर एवं डिस्इफें-क्टेंट का छिड़काव करके प्रवेश की अनुमति देना चाहिए।
5. अलग-अलग मुर्गी आवास मे अलग-अलग नौकरों की व्यवस्था करनी चाहिए।
6. दवा वाले, दाने वाले, चूजे वाले एवं मुर्गा खरीदने वालों से मिलने का समय निश्चित होना चाहिए एवं मुर्गी आवास से दुर कार्यालय में मिलना चाहिए।
7. मुर्गी पालन हमेशा साथ पालने और एक साथ बेचने वाली पद्धति से करना चाहिए ताकि बीमारी संक्रमण से बचाव हो सके।
8. आवास से तैयार माल की बिक्री हो जाने के पश्चात् करीब दो सप्ताह तक आवास मे पुनः चूजा पालन नही करना चाहिए।
9. आवास में लगे लोहे की खिड़की, दरवाजों एवं दीवाल के कोनों को फ्यूमीगेसन या फ्लेमगन से निर्जमीकृत अति आवश्यक होता है।
10. मुर्गी आवास में पानी की टंकी, पानी के पाईप, पानी पीने के बर्तनों की सफाई बहुत अच्छे करना चाहिए।
11. मरी हुई मुर्गियों को कुक्कुट आवास के आसवास नही फेंकना चाहिए इनको जलाना चाहिए या गहरे गड्ढे में दफन कर देना चाहिए।
12. मुर्गियो के पिलाने वाला पानी स्वच्छ होना चाहिए एवं शुद्धता हेतु क्लोरीनीकरण या ब्लीचिंग पावड़र का उपयोग करना चाहिए।
13. आवास के मुख्य द्वार पर कीटनाशक का घोल बनाकर रखना चाहिए, ताकि जब कोई बाहरी लोग आते है, तो इस घोल में पैर डुबाकर अंदर प्रवेश कर सकते है।
14. मुख्य मार्ग पर एवं आवास के आसपास चूने का बुरकाव करना चाहिए।